

अजमेर दरगाह में शवि मंदिर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अजमेर की एक स्थानीय अदालत ने [सुफी संत मोइनुद्दीन चश्ती](#) की दरगाह के भीतर शवि मंदिर की मौजूदगी का दावा करने वाले एक दीवानी मुकदमे के संबंध में तीन पक्षों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया।

मुख्य बटु

- सितंबर 2024 में दायर इस मुकदमे में दरगाह के भीतर एक शवि मंदिर के अस्तित्व का दावा किया गया है और मंदिर में पूजा फरि से शुरू करने के नरिदेश देने की मांग की गई है।
- अजमेर दरगाह समिति, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और नई दलिली स्थिति [भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण \(ASI\)](#) को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा गया है।
- **ख्वाजा मोइनुद्दीन चश्ती:**
 - मोइनुद्दीन हसन चश्ती का जन्म 1141-42 ई. में ईरान के सजिस्तान (आधुनिक सजिस्तान) में हुआ था।
 - मुइजुद्दीन मुहम्मद बनि साम गौर ने तराइन के दूसरे युद्ध (1192) में पृथ्वीराज चौहान को पराजित कर दिया था और दलिली में अपना शासन स्थापति कर लिया था, उसके बाद **ख्वाजा मोइनुद्दीन चश्ती** ने अजमेर में रहना और उपदेश देना शुरू कर दिया था।
 - आध्यात्मिक अंतरदृष्टि से परिपूर्ण उनके शकिषापरद प्रवचनों ने जल्द ही स्थानीय जनता के साथ-साथ दूर-दूर से राजाओं, कुलीनों, कसिानों और गरीबों को भी अपनी ओर आकर्षति किया।
 - अजमेर स्थिति उनकी दरगाह पर [मुहम्मद बनि तुगलक](#), शेरशाह सूरी, अकबर, जहांगीर, [शाहजहाँ](#), दारा शकिह और औरंगजेब जैसे शासकों ने जयिरत की।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)

- संस्कृतमंत्रालय के अधीन ASI, देश की [सांस्कृतिक वरिसत](#) के पुरातात्विक अनुसंधान और संरक्षण के लयि प्रमुख संगठन है।
- [प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल और अवशेष \(AMASR\) अधिनियम, 1958](#) ASI के कामकाज को नयित्तरति करता है।
- यह राष्ट्रीय महत्त्व के 3650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों और अवशेषों का प्रबंधन करता है।
- इसकी गतिविधियों में पुरातात्विक अवशेषों का सर्वेक्षण, पुरातात्विक स्थलों की खोज और उत्खनन, संरक्षति स्मारकों का संरक्षण और रखरखाव आदि शामिल हैं।
- इसकी स्थापना 1861 में ASI के पहले महानदिशक [अलेक्जेंडर कनघिम](#) ने की थी। अलेक्जेंडर कनघिम को "भारतीय पुरातत्व के जनक" के रूप में भी जाना जाता है।